यूपीजीआईएस-2023

युवाओं को पढ़ाने, बढ़ाने और रोजगार से जोड़ने पर यूपी सरकार का फोकस

- **ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आखिरी दिन 'डिकोडिंग नेशनल एजूकेशन पॉलिसी 2020' विषयक सत्र का आयोजन**
- **आयोजन स्थल पर ही 6680 करोड़ से अधिक के 8 एमओयू साइन**
- **पढ़ा-लिखा भूल सकते, सीखा नहीं- इसलिए सीखिएः मा. उच्च शिक्षा मंत्री**

लखनऊ, 12 फ़रवरी, 2023। उच्च शिक्षा के जरिए युवाओं को पढ़ाने, बढ़ाने और रोजगार से जोड़ने पर यूपी सरकार का फोकस है। नई शिक्षा नीति-2020 के जरिए युवाओं को शिक्षा से जोड़कर 'आकाश' देने के लिए सरकार संकल्पित है। इसे देखते हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आखिरी दिन रविवार को भारद्वाज हाल-3 में 'डिकोडिंग नेशनल एजूकेशन पॉलिसी 2020' विषयक सत्र हुआ। इसमें मौके पर ही 6680 करोड़ से अधिक से 8 निवेश प्रस्ताव मिले। इससे करीब 13000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा. उच्च शिक्षा व विज्ञान-प्रौद्योगिकी मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 शिक्षा के नए कलेवर व राष्ट्र की प्रगति से जोड़ने के लिए आई है। हमारा प्रयास है कि शिक्षा संस्कार से जुड़कर ज्ञान का माध्यम बने। उच्च शिक्षा मंत्री ने मंत्र दिया कि पढ़ने से ज्यादा सीखना जरूरी है। पढ़ा-लिखा भूल सकते पर सीखा कभी नहीं भूल सकते। अतीत के वैशिष्ट को वर्तमान के आधुनिकता से समावेशित करना नई शिक्षा नीति का मूल है। शिक्षा को संस्कार, रोजगार, तकनीकी से जोड़ना है। शिक्षा सिर्फ डिग्री नहीं, यह ज्ञान-विज्ञान, अनुसंधान से जोड़ती है। यही मूल में होना चाहिए। परिवार समाज, समाज राष्ट्र और राष्ट्र दुनिया से कैसे जुड़े, यह शिक्षा सीखाती है।

समारोह में प्रदेश सरकार के मा. मंत्री श्री आशीष पटेल, मा. माध्यमिक शिक्षा मंत्री श्रीमती गुलाब देवी, मा. उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्री रजनी तिवारी, मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार प्रो. डीपी सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय, उच्च शिक्षा के प्रमुख सचिव डॉ. सुधीर बोबडे आदि मौजूद रहे।